मेरे महबूब न जा, आज की रात न जा

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

अभी संगीत प्रेमी महान गायिका आशा भोंसले के निधन (12 अप्रैल 2026) के सदमे से उबर भी न पाये थे कि 31 मई 2026 को एक और दु:खद खबर आई कि भारतीय संगीत का एक और चिराग बुझ गया, इस दिन मशहूर पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन से फ़िल्म संगीत के स्वर्णिम युग का एक गौरवशाली अध्याय समाप्त हो गया.

सुमन कल्याणपुर ने अनेक यादगार नग्मे गाये और क्या खूब गाये, फिर चाहे वो फ़िल्म 'फ़िल्म 'साथी' का मुकेश के साथ गाया अमर गीत 'मेरा प्यार भी तू है ', फ़िल्म 'ब्रह्मचारी' का रफ़ी साहब के साथ गया नशीला युगल गीत 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे', फ़िल्म 'शगुन' का रूहानी गीत 'परबतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है' हो, शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत 'अजहूँ न आये बालमा सावन बीता जाये '(साँझ और सवेरा) और 'गरजत बरसत सावन आयो रे '(बरसात की रात) हों या फिर फ़िल्म 'नूरमहल' का उनका अविस्मरणीय गीत 'मेरे महबूब न जा,आज की रात न जा' हो. ये सारे गाने उन्होंने जिस शिद्दत के साथ गाये हैं वो अद्भुत है.

सुमन कल्याणपुर की आवाज़ की तुलना अक्सर लता मंगेशकर से की जाती थी. कई बार श्रोताओं को यह पहचानना कठिन हो जाता था कि गीत सुमन कल्याणपुर ने गाया है या लता जी ने. ये तुलना जहाँ एक ओर उनके लिये सम्मान की बात थी, वहीं दूसरी और उनके लिये एक बड़ी चुनौती भी थी, क्योंकि उनके पहले गीत से लेकर उनके आखिरी गीत तक उन्हें हमेशा 'लता मंगेशकर के विकल्प' के रूप में देखा गया, चूँकि लताजी शिखर पर विराजमान थी, इसलिए सुमन कल्याणपुर के हिस्से में अक्सर वही गीत आते थे, जो लता जी गाने से मना कर देती थीं या फिर उनकी तगड़ी फीस के चलते छोटे संगीतकार लता जी की जगह सुमन जी से गवाते थे.

सुमन कल्याणपुर ने स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद चित्रकला में पढ़ाई के लिए प्रतिष्ठित सर जे.जे. स्कूल ऑफ़ आर्ट्स में प्रवेश लिया. इसके साथ ही उन्होने पारिवारिक मित्र पंडित केशव राव भोले, जो प्रभात फ़िल्म्स के संगीत निर्देशक थे, से शास्त्रीय गायन सीखना शुरू किया. पहले तो सुमन शौकिया संगीत सीख रहीं थीं लेकिन धीरे धीरे जब उनकी रुचि बढ़ी तो वो संगीत को गंभीरता से सीखने लगीं, बाद में उन्होंने उस्ताद अब्दुल रहमान खान और गुरुजी मास्टर नवरंग से भी संगीत की शिक्षा ली.

सुमन कल्याणपुर ने अपने फिल्मी गायन की शुरुआत 1950 के दशक में की. सुमन कल्याणपुर की फिल्म संगीत में आने की क़ोई योजना नहीं थी, उनकी ज़िन्दगी में अचानक तब मोड़ आया, जब उन्हें कॉलेज के एक कार्यक्रम में गाते हुए महान गायक तलत महमूद ने सुन लिया,उनको सुमन जी की आवाज ने बड़ा प्रभावित किया, फिर तो कड़ियां जुड़ती गईं और उनके लिये फ़िल्म जगत के दरवाजे खुलते गए. साल 1954 में आई फिल्म 'मंगू' से उनका हिंदी फिल्मों में सफर शुरू हुआ, ये फ़िल्म प्रसिद्ध अभिनेता शेख मुख़्तार ने बनाई थी, वे सुमन जी की 1953 में रिलीज़ हुई मराठी फ़िल्म 'शुक्राची चांदनी' में उनकी आवाज़ से काफ़ी प्रभावित हुए थे और उन्होंने सुमन जी को अपनी फ़िल्म 'मंगू' में तीन गाने ऑफर किये, फ़िल्म के संगीतकार थे मोहम्मद शफ़ी. सुमन ने तीनों गाने मेहनत और खूबसूरती से गाए लेकिन बाद में किसी कारणवश फ़िल्म के संगीत की ज़िम्मेदारी ओ पी नैय्यर को सौंप दी गयी. मगर नैय्यर साब ने सुमन जी के गाए तीन गानों में से सिर्फ एक गाने 'कोई पुकारे धीरे से तुझे' को ही फ़िल्म में जगह दी, और इस तरह फ़िल्म 'मंगू' से सुमन कल्याणपुर का हिंदी फिल्मों में सफ़र शुरू हुआ . फिल्म 'मंगू' के तुरंत बाद, सुमन ने फ़िल्म 'दरवाज़ा' (1954) के लिए संगीतकार शौकत अली हाशमी के संगीत निर्देशन में 5 गाने गाए, ये फ़िल्म ख्यात लेखिका इस्मत चुगताई द्वारा निर्मित और उनके पति शाहिद लतीफ द्वारा निर्देशित थी . चूंकि 'दरवाज़ा 'पहले रिलीज़ हुई , इसलिए आमतौर पर इसे सुमन कल्याणपुर की पहली हिंदी फ़िल्म माना जाता है .

सुमन कल्याणपुर ने अपने करियर में शंकर जयकिशन, रोशन, नौशाद, एस.डी. बर्मन, रवि और मदन मोहन जैसे बड़े संगीतकारों के साथ काम किया. उन्होंने मोहम्मद रफ़ी, मुकेश, मन्ना डे, तलत महमूद और हेमंत कुमार जैसे दिग्गज गायकों के साथ कई प्रसिद्ध युगल गीत गाए. फिल्मों के जिस दौर में सुमन कल्याणपुर ने कदम रखा, वो लता मंगेशकर का दौर था उस समय किसी नवोदित गायिका के लिए अपनी अलग पहचान बनाना लगभग असंभव था, लेकिन तारीखों की समस्या और रॉयल्टी विवाद के कारण जब लता जी का कुछ बड़े संगीतकारों और मोहम्मद रफी से मतभेद हुआ और इंडस्ट्री में उनके विकल्प की तलाश शुरू हुई, जो सुमन कल्याणपुर पर आकर खत्म हुई, देखते ही देखते सुमन कल्याणपुर संगीतकारों की पसंद बन गईं. उनकी आवाज का ठहराव और रेंज काफी हद तक लता जी के समकक्ष था, जब रफी और लता ने साथ गाना बंद किया, तब सुमन और रफी की जोड़ी बन गई . सुमन जी ने सबसे ज्यादा 140 गाने मोहम्मद रफी के साथ गाए. जिनमें 'दिल एक मंदिर है '(दिल एक मंदिर), 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर' (ब्रह्मचारी), 'ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे '(जब-जब फूल खिले), 'तुमने पुकारा और हम चले आए' (राजकुमार), 'पर्बतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है' (शगुन) , 'अजहुना आए बलमा '(साँझ और सवेरा), 'बाद मुददत के ये घडी आयी '(जहाँआरा), 'जान चली जाये जिया नहीं जाये' (अनजाना) आदि गीत काफ़ी लोकप्रिय हुए . मुकेश के साथ भी उन्होंने कई लोकप्रिय युगल गीत गाए हैं जैसे 'मेरा प्यार भी तू है '(साथी), ये किसने गीत छेड़ा' (मेरी सूरत तेरी आंखें), 'अखियाँ का नूर है तू' (जौहर महमूद इन गोवा) आदि. मन्नाडे के साथ उन्होंने 'तुम जो आओ तो प्यार आ जाये '(सखी रोबिन), 'न जाने कहां तुम थे,न जाने कहां हम थे '(जिंदगी और ख्वाब) आदि प्रसिद्ध गीत गाये. इसी प्रकार सुमन कल्याणपुर का एक बेहद दर्द भरा गीत है जिसे उन्होंने, मोहम्मद रफी और मुकेश तीनों ने मिलकर गाया था, गीत है फ़िल्म 'दिल ने फिर याद किया' का शीर्षक गीत 'दिल ने फिर याद किया, बर्क़ सी लहराई है, फिर कोई चोट मुहब्बत की उभर आई है'. इस गाने में सुमन जी ने जैसे अपना सारा दर्द उड़ेल दिया है.

मगर जब रफ़ी साहब और लताजी का विवाद खत्म हुआ तो सुमनजी को गीत मिलना फिर कम हो गया, फ़िल्म नसीब का गीत 'ज़िन्दगी इम्तिहान लेती है' हिंदी फिल्मों का उनका आखिरी गीत था .

11 भाषाओं में कुल 3,000 से अधिक गाने गाने वाली सुमन जी ने हिंदी के अलावा मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, भोजपुरी, उड़िया, कन्नड़ और कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी गीत गाए. उन्होंने हिंदी फिल्मों में कुल 857 गीत गाये, जिनमें कई सारे गीत आज भी सदाबहार माने जाते हैं, 'ना तुम हमें जानो '(बात एक रात की), 'तुमने पुकारा और हम चले आए '(राजकुमार), 'परबतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा है' और 'बुझा दिए हैं खुद अपने हाथों '(शगुन), 'ठहरिये होश में आ लूं तो चले जाइएगा '(मोहब्बत इसको कहते हैं), 'तुमसे ओ हसीना कभी मोहब्बत न मैंने करनी थी '(फर्ज़), 'बहना ने भाई की कलाई पे प्यार बांधा है '(रेशम की डोरी), 'ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे' (जब जब फूल खिले), 'यूँ ही दिल ने चाहा था रोना- रूलाना (दिल ही तो है) , 'दिल एक मंदिर है 'और 'जूही की कली मेरी लाड़ली' (दिल एक मंदिर), 'नींद उड़ जाये तेरी '(जुआरी) आदि.

सुमन कल्याणपुर को उनकी बेहतरीन गायकी के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा 'लता मंगेशकर पुरस्कार' और महाराष्ट्र भूषण' से विभूषित किया गया. इसी प्रकार वर्ष 2023 में भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया. दिल को छू लेने वाले गानों से लेकर उदास गीतों तक, सुमन कल्याणपुर ने लोगों के दिलों पर बरसों राज किया. आज भले ही वे हमारे बीच भौतिक रूप से मौजूद नहीं हैं, मगर वो अपने पीछे यादगार गानों की एक अनमोल थाती छोड़कर गई हैं . सुरों के इतिहास में उनका नाम हमेशा एक सुरीले सितारे के रूप में दर्ज रहेगा. आज भी जब हम उनके गीत सुनते हैं तो लगता है कि वो सुरों के माध्यम से हमसे संवाद कर रही हैं, शायद कभी उन्होंने अपने लिये ही गाया होगा 'रहें न रहें हम महका करेंगे, बनके कली, बनके सबा बागे-वफ़ा में '. अलविदा सुमन कल्याणपुर जी, आज आप हमारे बीच नहीं हैं परन्तु आपकी मधुर आवाज़ और आपके यादगार गीत हमारे दिलों में सदैव जीवित रहेंगे .

अक्षय कुमार की फिल्म में मस्ती का तड़का

बॉलीवुड में कॉमेडी फिल्मों की अपनी एक अलग पहचान होती है और अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल इसी परंपरा को आगे बढ़ाती नजर आ रही है. फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और अब इसके नए गाने 'दीवाने हैं' ने इस उत्साह को और भी बढ़ा दिया है.

मेकर्स ने बुधवार को ही इस बात का ऐलान कर दिया था कि फिल्म का अगला गाना गुरुवार को रिलीज किया जाएगा. तय समयानुसार जैसे ही यह गाना रिलीज हुआ, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इसे लेकर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. अक्षय कुमार ने भी इस गाने का वीडियो अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर शेयर किया, जिसके बाद फैंस और फिल्म प्रेमियों ने इसे तेजी से शेयर करना शुरू कर दिया. यह गाना पूरी तरह से एक सेलिब्रेशन एंथम के रूप में तैयार किया गया है, जिसमें फिल्म की पूरी स्टारकास्ट की एनर्जी और मस्ती साफ झलकती है. गाने का संगीत और कोरियोग्राफी इसे एक बड़े पैमाने पर पार्टी ट्रैक बनाते हैं, जो सिनेमाघरों में दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर सकता है.

वेलकम टू द जंगल एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसमें कॉमेडी और एंटरटेनमेंट का भरपूर डोज देखने को मिलेगा. फिल्म की कहानी भले ही अभी पूरी तरह से सामने नहीं आई हो, लेकिन इसके ट्रेलर और गानों ने यह साफ कर दिया है कि यह दर्शकों को हंसाने और मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है. अक्षय कुमार की इस फिल्म में 'मंडली' का जो मस्ती भरा अंदाज दिखाया गया है, वह दर्शकों के लिए एक नया अनुभव लेकर आ रहा है. फिल्म के लगातार जारी हो रहे अपडेट्स से यह साफ है कि मेकर्स इसे एक बड़े इवेंट की तरह पेश करना चाहते हैं. फैंस अब फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और 'दीवाने हैं' गाने की सफलता ने इसकी लोकप्रियता को और मजबूत कर दिया है.

जैकलीन फर्नांडीज करेंगी हॉरर जॉनर में डेब्यू

फिल्म में दो पुरुष कलाकारों को पहले ही फाइनल किया जा चुका है, लेकिन उनके नाम और बाकी कास्ट की जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी गई है . इसी तरह फिल्म के निर्देशक और टाइटल को भी अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे प्रोजेक्ट को लेकर रहस्य और बढ़ गया है .

मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर हॉरर जॉनर को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही इस शैली में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं. यह उनके करियर की पहली पूर्ण हॉरर फिल्म होगी, जिसमें वह मुख्य भूमिका निभाएंगी. लंबे समय से जैकलीन एक ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में थीं जो न सिर्फ उन्हें अभिनय का नया अवसर दे, बल्कि दर्शकों को भी एक अलग अनुभव प्रदान कर सके.

सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म केवल हॉरर तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें इमोशनल एंगल और म्यूजिक का भी गहरा प्रभाव होगा, जिससे कहानी और अधिक प्रभावशाली बन जाएगी. फिल्म को बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है और इसका निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत किया जा रहा है. प्रोडक्शन टीम इस प्रोजेक्ट को एक ग्रैंड सिनेमाई अनुभव बनाने पर काम कर रही है. कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जो दर्शकों को कहानी की झलक देगा. इसके अलावा कलाकारों को वर्कशॉप्स में भी शामिल किया जा रहा है ताकि किरदारों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया जा सके. फिल्म की शूटिंग इसी महीने के अंत तक शुरू होने की

संभावना है. फिल्म में दो पुरुष कलाकारों को पहले ही फाइनल किया जा चुका है, लेकिन उनके नाम और बाकी कास्ट की जानकारी फिलहाल गोपनीय रखी गई है. इसी तरह फिल्म के निर्देशक और टाइटल को भी अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे प्रोजेक्ट को लेकर रहस्य और बढ़ गया है. वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन फर्नांडीज हाल ही में फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई थीं. इसके अलावा वह जल्द ही फिल्म वेलकम टू द जंगल में भी दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है. अब उनकी यह नई हॉरर फिल्म उनके करियर में एक नया अध्याय जोड़ने जा रही है, जिस पर पूरे बॉलीवुड की नजरें टिकी हुई हैं.

रिलीज हुआ 'कॉकटेल 2' का नया गाना बंधु 2.0

बॉलीवुड में म्यूजिक हमेशा से फिल्मों की आत्मा रहा है और 'कॉकटेल 2' का नया गाना 'बंधु 2.0' इसी परंपरा को आगे बढ़ाता हुआ नजर आ रहा है. यह गाना न सिर्फ पुराने सुपरहिट ट्रैक 'तुम ही हो बंधु' की याद दिलाता है, बल्कि उसे एक नए और आधुनिक अंदाज में पेश करता है.

जैसे ही यह गाना रिलीज हुआ, दर्शकों के बीच इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ने लगी और यह सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बन गया. इस गाने की सबसे खास बात इसका भावनात्मक और हल्का-फुल्का अंदाज है, जिसमें दोस्ती की मिठास के साथ-साथ मजेदार ट्विस्ट भी देखने को मिलता है. निर्माताओं ने गाने में एक अनोखा प्रयोग किया है, जहां कलाकार खुद यह स्वीकार करते नजर आते हैं कि गाना रिलीज होने के बाद उन्हें ट्रोल भी किया जा सकता है. यह आत्म-जागरूकता और हास्य का मिश्रण दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है.

संगीत की बात करें तो 'बंधु 2.0' को मशहूर संगीतकार प्रीतम ने कंपोज किया है, जबकि कविता सेठ और नीरज श्रीधर ने अपनी आवाज से इसे और भी जीवंत बना दिया है. गीत के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं, जिन्होंने दोस्ती के एहसास को बेहद सरल और दिल को छू लेने वाले शब्दों में पिरोया है.

सलमान का डेब्यू सॉन्ग बना कल्ट

भारतीय सिनेमा में संगीत हमेशा से भावनाओं को जोड़ने का सबसे मजबूत माध्यम रहा है, और सलमान खान की फिल्म मैंने प्यार किया का एक गीत इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है. यह वही फिल्म है जिसने सलमान खान को बतौर अभिनेता बॉलीवुड में लॉन्च किया और उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया. इसी फिल्म का एक गीत आज भी उनके करियर का सबसे प्रतिष्ठित और कल्ट लव सॉन्ग माना जाता है.

दिलचस्प बात यह है कि इस गीत के जरिए बिहार की मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा ने भी बॉलीवुड में कदम रखा था. लोकगीतों की समृद्ध परंपरा से आने वाली उनकी आवाज ने इस गीत को एक अलग ही गहराई और भावनात्मक जुड़ाव दिया. उनकी मधुर और सादगी भरी आवाज ने इस गाने को ऐसा बना दिया कि यह सिर्फ एक फिल्मी गीत नहीं रहा, बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान बन गया. भले ही इस गीत को बने लगभग 37 साल हो चुके हैं, लेकिन इसकी लोकप्रियता आज भी वैसी ही बनी हुई है. यह गाना न सिर्फ उस दौर की याद दिलाता है, बल्कि आज की युवा पीढ़ी के बीच भी उतना ही पसंद किया जाता है. यही कारण है कि इसे सलमान खान के करियर का सबसे बड़ा और सबसे यादगार गीत माना जाता है. मैंने प्यार किया न सिर्फ एक फिल्म थी, बल्कि यह भारतीय सिनेमा के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई. इस फिल्म के गानों ने प्रेम, सादगी और भावनाओं को जिस तरह प्रस्तुत किया, वह आज भी मिसाल माना जाता है.

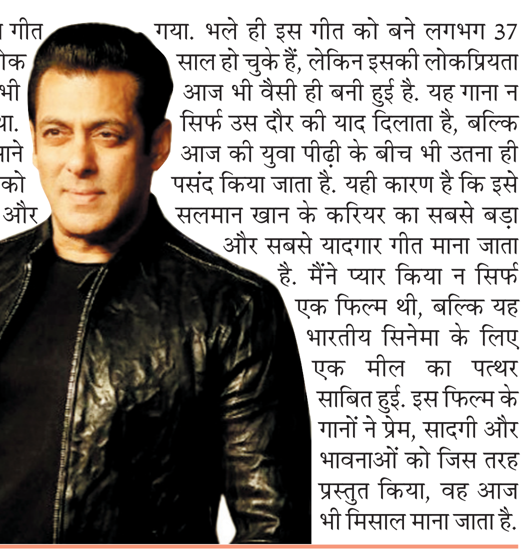

टेलीविजन हलचल

कृष और अभिरा में बढ़ेगा टकराव

लोकप्रिय टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है में कहानी लगातार नए मोड़ ले रही है और अब आने वाले एपिसोड में एक बड़ा ड्रामा देखने को मिलने वाला है. अभिरा, अरमान और तान्या की कहानी अब परिवार के भीतर बड़े विवाद का कारण बनती दिख रही है. अब तक दर्शकों ने देखा कि मुक्ति और मायरा अपने पिता के समर्थन में खड़ी नजर आती हैं, वहीं अभिरा भी कावेरी पर नाराज होती है. इसी दौरान अभिरा अरमान को आराम करने की सलाह देती है और तान्या से उसकी मुलाकात होती है. इस मुलाकात में तान्या रोते हुए अभिरा को बताती है कि वह कृष से तलाक लेने का फैसला कर चुकी है. यह खुलासा पूरे परिवार की कहानी को बदल देता है. आने वाले एपिसोड में कहानी और भी ज्यादा नाटकीय होने वाली है, जहां कृष और अभिरा के बीच तीखी बहस देखने को मिलेगी. बताया जा रहा है कि कृष अपनी तेज जुबान और आक्रामक अंदाज से अभिरा के सामने नई मुसीबत खड़ी करेगा. इसी वजह से परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद और भी गहरे हो जाएंगे. शो में हमेशा से ही रिश्तों की जटिलता और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को प्रमुखता दी गई है, और यही वजह है कि दर्शक इससे लगातार जुड़े रहते हैं. अब तान्या का तलाक वाला फैसला और अभिरा का सपोर्ट सिस्टम कहानी को एक नए मोड़ पर ले जा रहा है, जहां हर किरदार अपनी-अपनी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश में है. कृष का बदलता व्यवहार और अभिरा के साथ उसका टकराव आने वाले ट्रैक को और भी दिलचस्प बना देगा. परिवार के भीतर चल रही यह खींचतान अब एक बड़े संघर्ष में बदलने वाली है, जिसे देखकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ने वाली है.

अनुपमा ने झुकने से किया इनकार

लोकप्रिय टीवी शो अनुपमा एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां रिश्तों की जटिलता और भावनात्मक टकराव चरम पर दिखाई दे रहा है. अंश और प्रेरणा की शादी को लेकर शाह परिवार में तैयारियां जोरों पर हैं और हर कोई इस खास मौके को यादगार बनाने में जुटा है. अनुपमा, जो हमेशा परिवार को एक साथ जोड़ने की कोशिश करती है, इस बार भी अपनी निजी परेशानियों को किनारे रखकर शादी की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है. इसी बीच वह कोठारी हाउस में शादी का निमंत्रण देने पहुंचती है, लेकिन यहां माहौल अचानक बदल जाता है. प्रेम, जो पहले से ही अनुपमा के साथ चल रहे तनाव में है, अपने अहंकार को बीच में ले आता है और एक ऐसी शर्त रख देता है जिसने सभी को हैरान कर दिया. प्रेम कहता है कि अगर शाह परिवार चाहता है कि कोठारी परिवार शादी में शामिल हो, तो दिग्विजय को उसके सामने घुटनों पर आकर माफी मांगनी होगी. यह शर्त सुनकर माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता है. अनुपमा इस शर्त को तुरंत खारिज कर देती है और साफ कहती है कि दिग्विजय कभी किसी के आगे झुककर माफी नहीं मांगेगा. उसकी यह दृढ़ता एक बार फिर उसके मजबूत चरित्र को दर्शाती है. वहीं दूसरी तरफ, कहानी में एक और बड़ा मोड़ तब आता है जब दिग्विजय सरेआम एक ऐसा सच उजागर करता है, जिससे पूरा कोठारी हाउस हिल जाता है. इस खुलासे के बाद प्रेम की स्थिति भी बदलती नजर आती है और वह मजबूरी में सरेआम माफी मांगने पर मजबूर हो जाता है. यह घटना न सिर्फ परिवार के रिश्तों को प्रभावित करती है, बल्कि आने वाले एपिसोड्स में और भी बड़े ट्विस्ट का संकेत देती है.

महाकाल की शरण में पहुंचे यामी-आदित्य

उज्जैन की पावन धरती पर स्थित भगवान श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में गुरुवार को बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री यामी गौतम और फिल्म निर्माता-निर्देशक आदित्य धर ने दर्शन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों कलाकारों का मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं और मंदिर प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया. दर्शन के दौरान उन्होंने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की तथा राष्ट्र और समाज की उन्नति के लिए प्रार्थना की.

महाकाल मंदिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में विशेष स्थान रखता है और यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. देश की कई नामचीन हस्तियां भी समय-समय पर बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाकर अपनी आस्था प्रकट करती रही हैं. इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यामी गौतम और आदित्य धर भी महाकाल की शरण में पहुंचे. मंदिर परिसर में उनकी एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्सुकता देखी गई. दर्शन के दौरान दोनों कलाकार आध्यात्मिक वातावरण में पूरी तरह रमे दिखाई दिए. उन्होंने भगवान महाकाल के समक्ष नतमस्तक होकर परिवार, देश और

समाज के कल्याण की कामना की. मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने कुछ समय परिसर में बिताया और धार्मिक परंपराओं के महत्व पर भी चर्चा की.

मुंबई में प्रीति जिंटा का नया ठिकाना

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने मुंबई में अपने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो में एक और बड़ा बदलाव करते हुए नया घर किराए पर लिया है. इससे पहले उन्होंने शहर में अपने दो अपार्टमेंट बेच दिए थे, जिसके बाद अब उनका यह नया कदम काफी चर्चा में है. रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रीति जिंटा ने मुंबई के एक प्रीमियम इलाके में स्थित एक लग्जरी अपार्टमेंट को किराए पर लिया है, जहां वह अब अस्थायी रूप से निवास करेंगी.

यह अपार्टमेंट आधुनिक सुविधाओं से लैस है और इसे बेहद हाई-एंड रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है. बताया जा रहा है कि इस घर का मासिक किराया काफी ऊंचा है, जो हर महीने लाखों रुपये में है. हालांकि सटीक आंकड़े सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं, लेकिन इसे मुंबई के लग्जरी रेंटल मार्केट में एक हाई-वैल्यू डील माना जा रहा है. मुंबई जैसे महानगर में प्रीमियम इलाकों में घर किराए पर लेना आम बात है, खासकर फिल्मी हस्तियों के लिए जो लगातार काम और शूटिंग के सिलसिले में शहर में रहती हैं. हाल ही में कई सेलेब्रिटीज ने भी ऐसे ही महंगे किराए के घरों को चुना है, जिससे शहर के हाई-एंड रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी देखी जा रही है.

प्रीति जिंटा का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब वह अपने करियर और बिजनेस से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट्स में भी सक्रिय हैं. फिल्मों के साथ-साथ वह इंडियन प्रीमियर लीग से भी जुड़ी हुई हैं, जिससे उनका मुंबई में रहना अधिक जरूरी हो जाता है.